हडिन नदी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **गाज़ियाबाद में हडिन नदी में** भारी मात्रा में **गाद और धार्मिक सामग्री** डाल दी गई है, जो पहले से ही प्रदूषित नदी को और अधिक प्रदूषित कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग** ने नदी के प्रदूषित होने का कारण कुप्रबंधन और पानी की गुणवत्ता पर ध्यान न देना तथा अनेक अनुपचारित नालों का नदी में गिरना बताया है।
- **घुलित ऑक्सीजन (DO)** 1.43 से 4.22 मिलीग्राम/लीटर के बीच है, जबकि जलीय जीवन के लिये न्यूनतम DO 4 मिलीग्राम/लीटर होना चाहिये।
  - कुल कोलीफॉर्म का स्तर 260,000 से 380,000 MPN/100ML तक है, जबकि मानक सीमा 1,000 MPN/100 ML है।
  - **उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (UPPCB)** ने नदी की जल गुणवत्ता को 'ई' श्रेणी में रखा, जिसका अर्थ है कि पानी सिर्फ सिंचाई, औद्योगिक शीतलन और नियंत्रित अपशिष्ट निपटान के लिये उपयुक्त है।
- वर्ष 2015 में **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने** हडिन नदी को "**मृत नदी**" घोषित कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इसमें प्रदूषण का स्तर अत्यधिक है, विभिन्न भागों में यह स्नान के लिये अनुपयुक्त है।

हडिन नदी के बारे में:

- यह नदी उत्तर प्रदेश के **सहारनपुर जिले में शिवालिक पहाड़ियों से** निकलती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में० लगभग 400 किमी. तक बहती हुई **नोएडा में यमुना नदी में मिल जाती है**।
- अतः यह **यमुना नदी की एक सहायक नदी** है।
  - यह एक **मानसून पोषित नदी** है।
  - इसका जलग्रहण क्षेत्र लगभग 7,083 वर्ग किमी. है।
- काली (पश्चिम) नदी और कृष्णी नदी हडिन नदी की मुख्य सहायक नदियाँ हैं।
- इसी नदी के तट पर **हड़प्पा सभ्यता के साक्ष्य मिले हैं**, जो 2500 ईसा पूर्व तक पुराने हैं।
- **गाज़ियाबाद और नोएडा इस नदी के किनारे पर ही स्थित हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hindon-river-1